

वेरीकोज वेन्स

अर्थ:

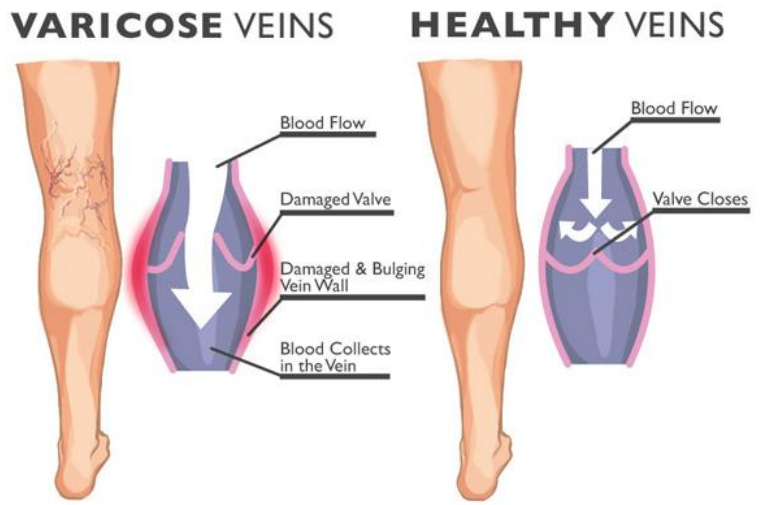
सामान्यतः घुटना, जांघ एवं टाँग के पिछले हिस्से में रक्त बहाकर ले जानेवाली नसों में सूजन आना, दब जाना वेरीकोज वेन्स रोग कहलाता है।

वेरीकोज वेन्स होने के कारण:

रक्त वाहिनियों में रक्त प्रवहन उचित प्रवाह में नहीं हो पाने से वेरीकोज वेन्स रोग होता है, जिसमें पैरों की रक्त वाहिनियों में रक्त संग्रहित हो जाता है एवं आंतरिक दबाव बढ़ जाता है इस दबाव के बढ़ने से रक्त वाहिनियों पर तान पड़ता है, तथापि वे मोटी होकर सूजन दिखाई देती है।

वेरीकोज वेन्स का तीव्र धोखा कब ?

- गर्भधारणा के दौरान
- रोग का कौटुंबिक इतिहास
- वजन के अधिक होने पर
- उम्र 50 से अधिक होने पर
- अधिक समय तक खड़ा रहना एवं बैठना होने पर
- अत्यधिक चुस्त कपड़े पहनने पर
- धूम्रपान



वेरीकोज वेन्स के लक्षण

- रुग्ण अधिक समय तक खड़ा एवं बैठा रहने से लक्षण अधिक तीव्र हो सकता है।
- पैरों में नीलापन, बैंगनी रंगी फुगी रक्तवाहिनियाँ
- पैर दुखना, जलन होना या सूजन भाना
- पैरों में भारीपन आना

उपचार कैसे करे ?

- सर्वप्रथम रुग्ण से पारिवारिक इतिहास पूछकर पैरों की संपूर्ण जाँच की जाती है।
- रोगी का डॉप्लर अल्ट्रासाउंड या डुप्लेक्स स्कैन किया जाता है, जिसमें ध्वनीलहरी से रक्तवाहिनियों का छायाचित्र मॉनिटर पर तैयार किया जाता है इस पध्दती में रक्त वाहिनियों में रक्तप्रवाह, रक्त की गुटलियाँ आदि जाँची जाती है।

वेरीकोज वेन की उपचार पध्दती:

उपचार का मुख्य उद्देश्य लक्षणों को कम करता है एवं अन्य समस्याओं से बचना है यह रक्त वाहिनियों के प्रभाव एवं रोग पर अवलंबित है की रोग कितना तीव्र है।

- दर्द कम करने की दवाईयाँ दी जाती है।
- वेरीकोज वेन्स निकालने के लिए चिकित्सक दवाएँ रक्तवाहिनियों में प्रवाहित करते हैं, या शस्त्रक्रिया कर रक्त गुटलियों को निकाला जाता है।

वेरीकोज वेन्स संबंधी उलझने:

- रक्तस्राव
- रक्त की गुटलियाँ
- खंडित रक्त की पूर्ती
- वेरीकोज एक्झीमा (त्वचा पर सूजन एवं दर्द)

लक्षणोंको कैसे नियंत्रित करे ?

- दबाव निर्माण करनेवाले मोजे वापरे, जिसके चलते रक्तप्रवाह बढ़ता है तथा गुटलियाँ तैयार नहीं होती।
- हृदय स्तर तक पैरो को उँचा उठाएँ ताकि रक्त हृदय की ओर भ्रमण करे।
- बहुत अधिक समय तक बैठे या खड़े ना रहे, ऐसा करने से रक्त संकुचित होता है एवं लक्षण तीव्र होते हैं, यह टालने के लिए एक घंटे के पश्चात थोडा चल फिर ले, ताकि रक्त प्रवाहित हो सके।
- कमर के आसपास जाडे कडक कपडे पहनना टालना चाहिए, सकरा जूता अथवा उँची एडीयोंकी चप्पल नहीं वापरें।
- नियमित व्यायाम से रक्तचाप नियंत्रित रहता है। पैरो एवं घुटनाके व्यायाम से रक्त हृदय की ओर भ्रमण करता है।
- शारीरिक वजन नियंत्रण मे रखना आवश्यक मोटापा घातक हो सकता है।
- मद्यपान टालें, क्योंकि मद्यपान के कारण रक्तवाहिनीयाँ को सूस्त करती है, जिसमे वेरीकोज वेन्स के लक्षण दिखाई देते हैं।
- धूम्रपान टाले, क्योंकि इससे स्वस्थ रक्त भ्रमण प्रभावित होता है।

चिकित्सक से कब संपर्क करें ?

- भीषण लक्षण दिखाई देने पर
- घाँव के कारण त्वचा के आंतरिक हिस्से से रक्तस्राव होनेपर
- पैरोंपर दाग हो जाना
- दैनिक प्रक्रिया मे व्यावधान के लक्षण

तत्काल स्वास्थ्य सेवा कब आवश्यक ?

- कोई जख्म फैलने पर या घाव न भरने पर
- दुर्घटना के कारण पैरोंकी वेरीकोज वेन्स टुटकर आंतरिक हिस्से मे रक्तस्राव होने पर
- पैरोंका दुखना कम न होकर बढ़ना
- पैरोंका नीला अथवा काला पडने पर
- पैरोंमे सूजन, दर्द होना एवं गर्म लगना

संदर्भ : मायक्रोमेडेक्स केर नोट्स सिस्टम ऑनलाईन 2.0